28 नवंबर कए श्रीपांच महाराजा डॉ सर कामेश्वर सिंह क 101म जयंती पर *विशेष*

बिहारक सबस पैघ उद्योगपति क कथा

हम सब बिसरी गेलहु महाराज

- पटना, 23 नवंबर,2008
- साप्ताहिक
- अंक- 17
- साल-1
- इनटरनेट संस्करण

समाद

मैथिली मे पहिल इ-पेपर

मरम्मत भेल असंभव, तोड़ि देल जाइत महात्मा गांधी सेतु!

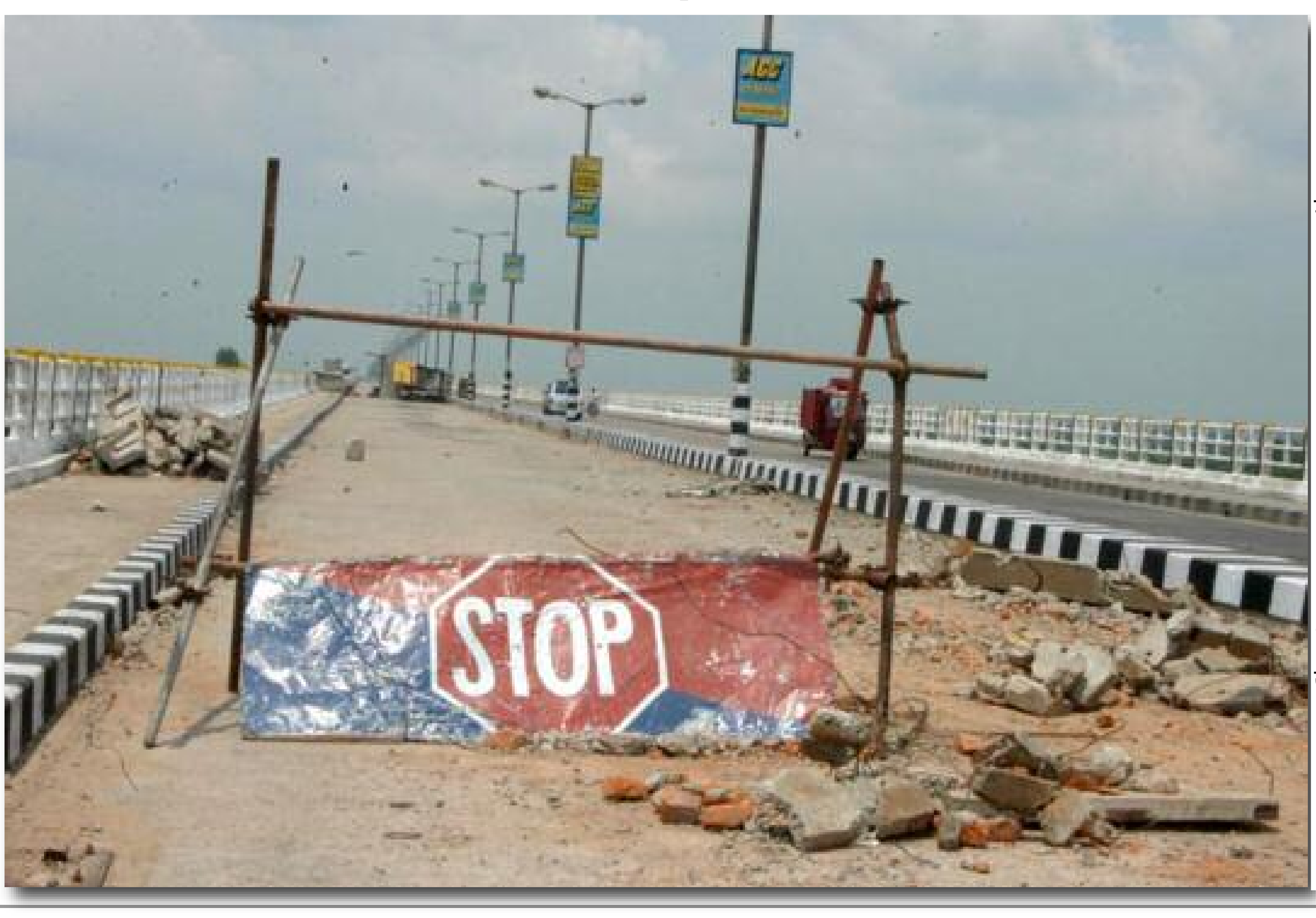

अंत सबहक निश्चित अछि, मुदा एखनो अंत नहि देखल। बिहार सरकार गांधी सेतुक मरम्मत स हाथ उठा लेलक अछि। ओकरा स आब एकर मरम्मत असंभव अछि। ओ केंद्र स कहि देलक जे एहि पुल कए तोड़ि कए एकर स्थान पर नव पुल बनेबाक विचार कैल जाए। 1984 मे बिना तैयार भेल पुलक उद्घाटन करबाक गलती आइ बिहार झेल रहल अछि।

कोसी क पुनर्निर्माण कए कैबिनेट क मंजूरी

> राज्य मे आईआईटी क स्थापना क लेल मेगा औद्योगिक पार्क क तहत प्रस्तावित 500 एकड़ जमीन क अधिग्रहण क योजना क कुल 120.30 करोड़ क अनुमानित व्यय पर प्रशासनिक स्वीकृति दैत चालू वर्ष मे 50 करोड़ आधारभूत संरचना विकास प्राधिकार कए रिलीज करबाक मंजूरी द देल गेल। ओतहि एनआईटी पटना क लेल मेगा औद्योगिक पार्क क अंतर्गत प्रस्तावित 100 एकड़ भूमि अधिग्रहण योजना क कुल 28.13 करोड़ क अनुमानित व्यय पर प्रशासनिक स्वीकृति आ चालू वर्ष मे 10 करोड़ आधारभूत संरचना विकास प्राधिकार कए रिलीज करबाक स्वीकृति द देल गेल। एहि स संस्थान कए नव परिसर आ भवन निर्माण क रास्ता साफ भ गेल।

पटना। कोसी नदी क बाढ़ स तबाह इलाक क 14 हजार 808 करोड़ रु. क लागत स पुनर्निर्माण होइत। सरकार एहि लेल महत्वाकांक्षी योजना तैयार केलक अछि, जेकरा कैबिनेट क मंजूरी द देल गेल अछि। एहिमे जन प्रतिनिधी क सेहो भागीदारी रहत। बैठक मे विश्वविद्यालय क सेवानिवृत्त कर्मी क बकाया, पेंशन भुगतान व कर्मी क बकाया भुगतान क लेल दू सौ करोड़ क स्वीकृति दे गेल। ग्रेटर पटना क विकास कए महानगर योजना समिति नियमावली व नगरपालिका कैडर नियमावली कए मंजूरी देल गेल । ओतहि अनुबंध पर सिटी मैनेजर क नियुक्ति कए परीक्षा क जिम्मेदारी संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद कए सौंपल गेल।

बैठक क बाद कैबिनेट सचिव गिरीश शंकर कहलाह जे उत्तर बिहार मे कोसी क बाढ़ स भारी तबाही क बाद राहत व बचाव क पश्चात आब प्रभावित आबादी क दीर्घकालीन पुनर्वास, इलाका क पुनर्निर्माण क आवश्यकता अछि। एकरा लेल कोसी पुनर्निर्माण एवं पुनर्वास नीति कए मंजूरी द देल गेल। कोसी पुनर्वास आ पुनर्निर्माण परियोजना व्यापक बहु-प्रक्षेत्रीय परियोजना अछि। एहि मे प्रभावित लोक लेल मकान क निर्माण, सामुदायिक सुविधा, आधारभूत संरचना व्यवस्था, अर्थव्यवस्था आ परिस्थितिकी कए कायम रखबा क नीति पर आधारित जीविका आदि क कार्यक्रम तैयार कैल गेल अछि। नव प्रक्रिया मे प्रभावित आ संबंधित संस्था जेना पंचायती राज संस्था, नगर निकाय कए शामिल कैल जाइत आ हुनकर प्राथमिकता व आवश्यकता क आधार पर योजना कए रूपरेखा तैयार कैल जाइत। निजी क्षेत्र आ गैर सरकारी संस्था क सेहो मदद लेल जाइत।

कोसी पुनर्निर्माण क लेल तैयार कार्य योजना आ अन्य नीतिगत निर्णय क स्वीकृति मुख्यमंत्री क अध्यक्षता मे उच्चस्तरीय समिति द्वारा देल जाइत। एहिमे उप मुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री क अतिरिक्त संबंधित विभाग क मंत्री, मुख्य सचिव, विकास आयुक्त, वित्त सचिव, आपदा सचिव सदस्य हेताह। जिला स्तर पर जिला प्रभारी मंत्री क अध्यक्षता मे अनुश्रवण समिति क गठन कैल जरइत , जाहि मे संबंधित क्षेत्रीय सांसद, विधायक, निकाय क अध्यक्ष व मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल क सदस्य शामिल रहताह। कोसी नवनिर्माण आ पुनर्वास क सबटा योजना क मंजूरी विकास आयुक्त क अध्यक्षता मे नवगठित योजना प्राधिकृत समिति देत। एहि मे विभिन्न विभाग क सचिव रहताह।

एकर अलावा विधानमंडल क आगामी सत्र 2 दिसम्बर स आहूत करबाक प्रस्ताव कए सेहो कैबिनेट हरी झंडी द देलक। 8 दिसम्बर तक चलय वाला सत्र क दौरान पांचटा बैठक होइत। 3 कए द्वितीय अनुपूरक पेश कैल जाइत।

स्टाम्प नियमावली मे संशोधन करैत नव परिस्थिति मे अब नव स्टाम्प वेंडर कए नियुक्ति नहि करबाक फैसला लेल गेल अछि। ओतहि डाकघर स न्यायालय शुल्क स्टाम्प क बिक्री फ्रैंकिंग मशीन स प्रारंभ करबाक निर्णय कैल गेल अछि। समाज कल्याण विभाग क प्रस्ताव पर चर्चा क बाद मानव व्यापार कए रोकबा लेल आ पीड़ित क पुनर्वास क लेल राज्य कार्य योजना 'अस्तित्व' कए मंजूरी द देल गेल।

राज्य मे आईआईटी क स्थापना क लेल मेगा औद्योगिक पार्क क तहत प्रस्तावित 500 एकड़ जमीन क अधिग्रहण क योजना क कुल 120.30 करोड़ क अनुमानित व्यय पर प्रशासनिक स्वीकृति दैत चालू वर्ष मे 50 करोड़ आधारभूत संरचना विकास प्राधिकार कए रिलीज करबाक मंजूरी द देल गेल। ओतहि एनआईटी पटना क लेल मेगा औद्योगिक पार्क क अंतर्गत प्रस्तावित 100 एकड़ भूमि अधिग्रहण योजना क कुल 28.13 करोड़ क अनुमानित व्यय पर प्रशासनिक स्वीकृति आ चालू वर्ष मे 10 करोड़ आधारभूत संरचना विकास प्राधिकार कए रिलीज करबाक स्वीकृति द देल गेल। एहि स संस्थान कए नव परिसर आ भवन निर्माण क रास्ता साफ भ गेल। नव परिसर मे विभिन्न स्नातक स्तरीय अभियंत्रण पाठ्यक्रम मे सीट क संख्या मे वृद्धि होइत । चूंकि एनआईटी, पटना मे 50 फीसदी सीट एआईईईई क माध्यम स राज्य क छात्र क नामांकन होइत अछि एहि कारण स सीट क संख्या मे वृद्धि क फलस्वरूप संस्थान क 50 फीसदी सीट पर राज्य क छात्र क नामांकन क सुविधा उपलब्ध भ जाइत। कैबिनेट राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम, पटना क परिसमापन क प्रस्ताव कए वापस लेबा पर अपनी स्वीकृति प्रदान करि देलक।

रितुपर्णा दास आ स्याली राने कए दोहरी सफलता

पटना। 22 वीं राष्ट्रीय सब जूनियर आ मिनी बालक - बालिका बैडमिंटन प्रतियोगिता मे पश्चिम बंगाल क रितुपर्णा दास आ महाराष्ट्र क स्याली राने दोहरी सफलता अर्जित केलथि। स्थानीय सचिवालय बैडमिंटन हॉल मे खेलल गेल मिनी बालिका एकल फाइनल मुकाबला मे रितुपर्णा दास कर्नाटक क रूचिका भिवानी कए एकतरफा मुकाबला मे 21-9, 21-13 स हरा देलक। पूरा मैच क दौरान रितुपर्णा अपन शानदार खेल स अपन प्रतिद्वंद्वी कए लय मे अबैक कोनो मौका नहि देलक आ मुकाबला आसानी स अपन नाम करि लेलक। युगल मुकाबला क फाइनल मे रितुपर्णा आ रूचिका भिवानी क जोड़ी हरिका व कार्तिक रेशमा क जोड़ी कए 21-13, 22-20 स हरा कए दोहरा खिताब अपन नाम करि लेलक। एहि बीच सब जूनियर बालिका एकल फाइनल मे महाराष्ट्र क स्याली राने आंध्र प्रदेश क सिंधु कए 21-19, 21-15 कए कड़ा मुकाबला मे हरा कए खिताब पर कब्जा करि लेलक। पूरा मैच क दौरान दूनू खिलाड़ियों क बीच लंबा-लंबा रैली भेल, मुदा स्याली अपन अनुभव क भरपूर इस्तेमाल करैत मुकाबला मे अपन पकड़ बनेने रहलीह आ अंतत: मैच जीत लेलथि। हिनका सब कए पुरस्कार देबा लेल रेलमंत्री लालू प्रसाद आइल छलाह। ओ कहलथि जे बिहार मे खेलक विकारस लेल बहुत किछु करबाक अछि।

निजी क्षेत्र मे खुलत 250 टा आईटीआई

पटना। श्रम मंत्री अवधेश नारायण सिंह कहला अछि जे राज्य मे निजी क्षेत्र मे 250 आईटीआई (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) खुलत। दीघा आईटीआई कए अंतरराष्ट्रीय स्वरूप देबाक खातिर बीआईटी, मेसरा क संग करार होइत। सिंह कहलस जे बीआईटी मेसरा, दीघा इकाई मे रिसोर्स सेंटर स्थापित करत। पुरान उपकरण बदलत। अधूरा भवन कए पूरा करत। सरकार एहि क्रम मे ओकरा 20 करोड़ टका मुहैया कराउत। कायाकल्प क बाद दीघा इकाई क प्रबंधन क अधिकतर जिम्मा बीआईटी मेसरा क लग रहत। बीआईटी मेसरा क मानद कुलपति डॉ एचसी पांडेय क दावा अछि जे दू महीना मे दीघा इकाई नव लुक मे तैयार रहत। प्रेस कान्फ्रेंस मे मौजूद श्रम विभाग क प्रधान सचिव व्यास जी कहला जे प्रदेश क सबटा आईटीआई मे अंग्रेजी क पढ़ाई अनिवार्य करि देल गेल अछि। एकरा लेल संस्थान मे संविदा क आधार पर शिक्षक क नियुक्ति होइत। नवादा आईटीआई कए 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' क स्वरूप देल जा रहल अछि। बेलट्रान, आईटीआई क तमाम छात्र कए कंप्यूटर सिखाउत। 29 मे स 14टा आईटीआई कए सब स्तर पर 'अपडेट' कैल जा रहल अछि। ओ दिन दूर नहि जखन बिहार तकनीकी शिक्षाक एकटा प्रमुख केंद्र क रूप मे उभरि कए सामने आउत।

बेनामी संपत्तिक खुलासा क एकटा रिकार्ड बनल

पटना । आयकर विभाग मस्त अछि। दरअसल ओकर एकटा कार्रवाई पर सरकारी खजाना मे सवा चारि करोड़ टका आबि जेबाक पैघ सन गुंजाइश बनल अछि। बेनामी संपत्ति क खुलासा क इ एकटा नव रिकार्ड अछि। झारखंड-बिहार क एकटा पैघ बिल्डर कंपनी अपन 12 करोड़ क अघोषित संपत्ति क पुष्टि करि देलक अछि। आयकर विभाग दू दिन पहिने ओकर दर्जन भरि ठिकाना पर छापा मारने छल। छापामारी मे करोड़ो टका क चल-अचल संपत्ति आ ओकर दस्तावेज बरामद भेल छल। तहकीकात क दौरान कंपनी, विभाग क समक्ष अपन गलती स्वीकार करि लेलक। ओ गछलक जे 12 करोड़ क संपत्ति ओ नुका रखने छल। ओ अपन बेनामी संपत्ति क ऊपर टैक्स देबा लेल सहमत भ गेल। आयकर विभाग क उच्चपदस्थ सूत्र क मुताबिक हाल क वर्ष क लेल इ स्वीकारोक्ति एकटा रिकार्ड अछि। पिछला महीना दू टा प्रमुख बिल्डर बमुश्किल तीन करोड़ टकाक अपन बेनामी संपत्ति स्वीकार केने छल।

सूत्र क अनुसार बिल्डर कए 35 फीसदी क हिसाब स चारि करोड़ टका बतौर टैक्स देबाक अछि। एकर अलावा ओकरा पर जुर्माना सेहो लागत। छापामारी स कालाधन कए सफेद करबा क आ एकर बूते भारी मात्रा मे टैक्स चोरी क खेल कए खुलासा भेल अछि। विभाग मानि चुकल अछि जे फ्लैट क बिक्री क पैघ हिस्सा कए कालाधन क रूप मे ग्रहण कैल जाइत अछि। एकरा लेल कच्चा रसीद देल जाइत अछि। बतौर उदाहरण 20 लाख क अपार्टमेंट क दस्तावेजी कीमत 12 लाख होइत अछि। बाकी राशि ब्लैक मे अदा कैल जाइत अछि।

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति क विजन 2010

बेहतर पढ़ाई क लेल बिहार विद्यालय परीक्षा समिति वर्ष भरि रोटेशन स राज्य क शिक्षक कए प्रशिक्षण देबाक व्यवस्था केलक अछि। शिक्षक क एकेडमिक ट्रेनिंग लेल पटना विवि क कुलपति स सहमति भेल अछि, जेकर तहत पटना विवि क आर्यभट्ट ट्रेनिंग सेंटर (पूर्व क न्यूटन छात्रावास) मे शिक्षक कए उच्चस्तरीय प्रशिक्षण देल जाइत। साइंस कॉलेज मे विज्ञान शिक्षक कए लैब आ एक्सप्रीमेंट क जानकारी देल जाइत। ट्रेनिंग मे आइल शिक्षक आ अतिथि कए बीएसईबी क गेस्ट हाउस मे ठहराउल जाइत।

पटना। वाकई विद्यार्थी क हित मे ई प्रशंसनीय प्रयास अछि। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति विजन 2010 क परिकल्पना क तहत विद्यार्थीयों कए बेहतरीन पढ़ाई-लिखाई क संग-संग हुनकर समग्र बौद्धिक विकास क योजना कए अंतिम रूप देलक अछि। शिक्षक क महत्ता कए प्राथमिकता दैत हुनका डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) मे शामिल कैल गेल अछि। राज्य क तमाम विद्यार्थी क लेल एहि स नीक गप आओर किछु नहि भ सकैत अछि जे एनसीईआरटी क एजुकेशन कसेप्ट कए अंगीकार करैत ओकरा विजन 2010 मे शामिल कैल गेल अछि। परीक्षा समिति कए शिक्षाविद् अध्यक्ष प्रो. एकेपी यादव आ शैक्षिक निदेशक रघुवंश कुमार सिंह एहि महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट विजन 2010 क खुलासा केलथि। अध्यक्ष क मुताबिक, बेहतर पढ़ाई क लेल बिहार विद्यालय परीक्षा समिति वर्ष भरि रोटेशन स राज्य क शिक्षक कए प्रशिक्षण देबाक व्यवस्था केलक अछि। शिक्षक क एकेडमिक ट्रेनिंग लेल पटना विवि क कुलपति स सहमति भेल अछि, जेकर तहत पटना विवि क आर्यभट्ट ट्रेनिंग सेंटर (पूर्व क न्यूटन छात्रावास) मे शिक्षक कए उच्चस्तरीय प्रशिक्षण देल जाइत। साइंस कॉलेज मे विज्ञान शिक्षक कए लैब आ एक्सप्रीमेंट क जानकारी देल जाइत। ट्रेनिंग मे आइल शिक्षक आ अतिथि कए बीएसईबी क गेस्ट हाउस मे ठहराउल जाइत। ओतहि दोसर कात बीएसईबी क वेबसाइट पर 'माडल लेक्चर' उपलब्ध कराउल जा रहल अछि। अध्यक्ष प्रो. एकेपी यादव बतेलाह जे एनसीईआरटी क द्वारा तैयार 'माइक्रो केमेस्ट्री लैब' क जरिए विद्यार्थी कए प्रैक्टिकल एक्सप्रीमेंट दिखाउल जाइत। एहि तकनीक क 'कीट्स' महज 6000 मे उपलब्ध अछि, जेकर प्रयोग स चार-पांच विद्यार्थी कए 'विजुअल' जानकारी देल जा सकैत अछि। 'कीट्स' स दस प्रयोग सिद्ध भ सकैत अछि। 'मैथमेटिकल लैब' क जरिए विद्यार्थी कए कम्प्यूटर पर 'विजुअल' जानकारी देल जाइत। 'कम्प्यूटर एडेड प्रैक्टिस' क जरिए बीएसईबी विद्यार्थी कए 'विजुअल एजुकेशन' क व्यवस्था कए अंतिम रूप देबाक मे जुटल अछि। ओ कहला जे राज्य क दूर-दराज क विद्यालय मे 'मोबाइल लैब' क जरिए 'माडल लेक्चर' आ 'डेमोस्ट्रेशन' होइत, ताकि विद्यार्थी आ शिक्षक कए विजुअल एजूकेशन स रूबरू कराउल जा सकए। बोर्ड क जिला कम्प्यूटर केन्द्र मे विद्यार्थी कए अंक पत्र समेत तमाम प्रमाण पत्र उपलब्ध कराउज जाइत, जतय कोनो विद्यार्थी निर्धारित शुल्क जमा करि कए जरूरत संबंधी प्रमाण पत्र पाबि सकत। प्रत्येक जिला मे 10 हजार विद्यार्थी क क्षमता वाला परीक्षा भवन क निर्माण कराउल जाइत, एकरा लेल स्थल क चयन आ बजट क व्यवस्था भ चुकल अछि। परीक्षा भवन क अपयोग अन्य एकेडमिक कार्य मे सेहो कैल जा सकै त अछि।

आखिर आइल दरभंगाक मास्टर प्लान

बदलत शहरक स्वरूप, शहरी क्षेत्र मे शामिल होइत तीन दर्जन गाम

1934 क बाद पहिल बेर बनल दरभंगाक मास्टर प्लान, 2027 कए ध्यान मे राखि बनल परियोजना

BIHAR
Darbhanga
NEPAL
Supaul
Madhubani
Araria
Madhepura
Samastipur
Saharsa
Purnia
Katihar
Begusarai
Bhagalpur

पैघ-पैघ महानगर क समय-समय पर क्षेत्र विस्तार होइत रहल, मुदा दरभंगा ऐहन शहर अछि, जेकर 1934क बाद आधिकारिक रूप स कोनो विस्तार नहि भेल, जे भेल से नियम आ कानूनक बाहर जा कए। तेकर नतीजा रहल जे 1934 मे बसल एकटा सुव्यवस्थित शहर बेढब बनि कए रहि गेल। बाजार (गोल मार्केट) आ धर्मशाला(लक्ष्मेश्वर सिंह) मे कॉलेज खुली गेल आ नाला पर मकान का दुकान बनि गेल। सड़क पातर होइत गेल आ कचरा ढेर मोट होइत गेल। मुदा आब शहरक रूप बदलत। नवका मास्टर प्लान मे ओ सबटा व्यवस्था अछि जाहि स दरभंगा फेर स अपन सुव्यवस्थित स्वरूप पाबि सकैत अछि। आजाद भारत मे बहुत कम एहन शहर अछि जे अपन पूर्व रूप पेबा लेल तरैस रहल अछि। दरभंग ओहि कतार मे सबस ऊपर अछि।

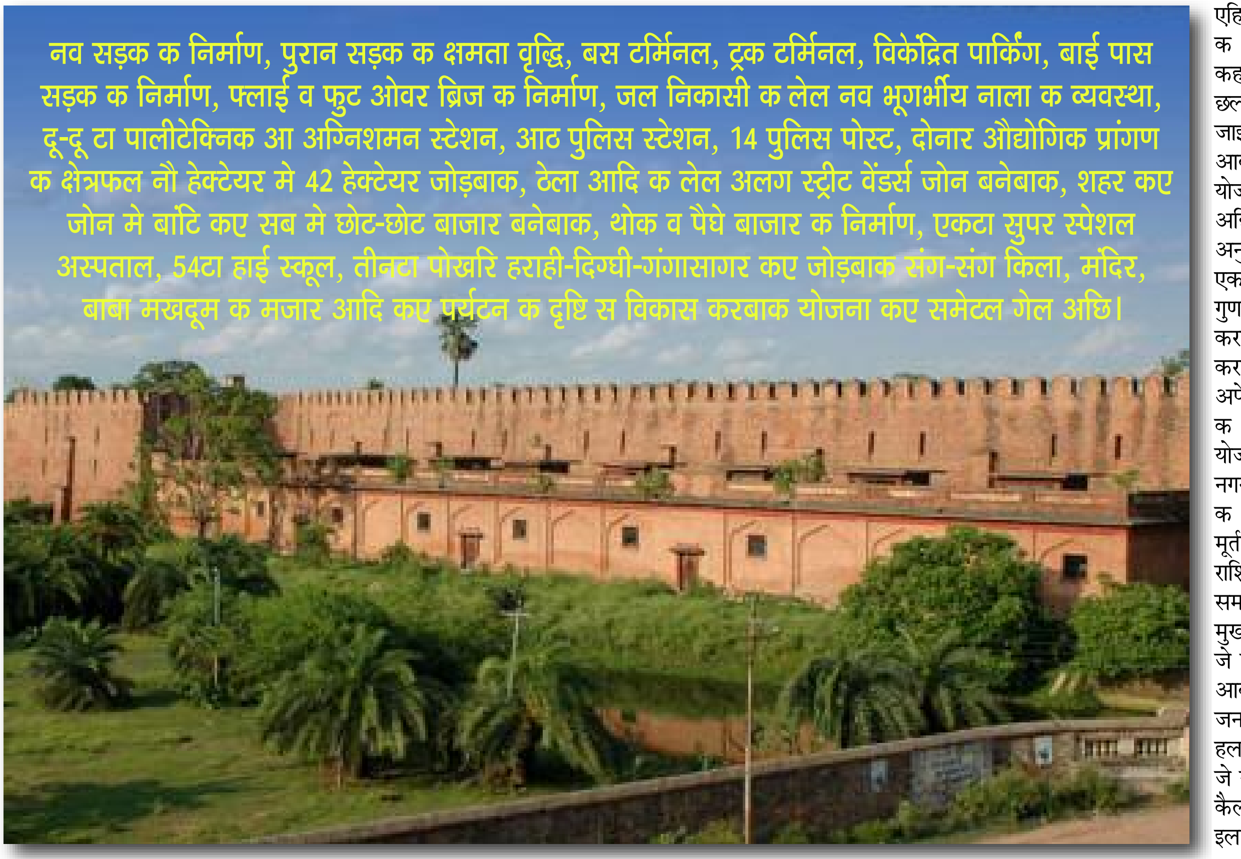

नव सड़क क निर्माण, पुरान सड़क क क्षमता वृद्धि, बस टर्मिनल, ट्रक टर्मिनल, विकेंद्रित पार्किंग, बाई पास सड़क क निर्माण, फ्लाई व फुट ओवर ब्रिज क निर्माण, जल निकासी क लेल नव भूगर्भीय नाला क व्यवस्था, दू-दू टा पालीटेक्निक आ अग्निशमन स्टेशन, आठ पुलिस स्टेशन, 14 पुलिस पोस्ट, दोनार औद्योगिक प्रांगण क क्षेत्रफल नौ हेक्टेयर मे 42 हेक्टेयर जोड़बाक, ठेला आदि क लेल अलग स्ट्रीट वेंडर्स जोन बनेबाक, शहर कए जोन मे बांटि कए सब मे छोट-छोट बाजार बनेबाक, थोक व पैघे बाजार क निर्माण, एकटा सुपर स्पेशल अस्पताल, 54टा हाई स्कूल, तीनटा पोखरि हराही-दिग्घी-गंगासागर कए जोड़बाक संग-संग किला, मंदिर, बाबा मखदूम क मजार आदि कए पर्यटन क दृष्टि स विकास करबाक योजना कए समेटल गेल अछि।

दरभंगा। दरभंगी खां क दरभंगा, महाराजा लक्ष्मेश्वर सिंह क दरभंगा, डॉ सर कामेश्वर सिंह क दरभंगा, ललित नारायण मिश्रक दरभंगा बाकी आर कतेक लोकक दरभंगा, जे एकरा बसैलक, बनौउलक आ अपन नाम एकरा स जोड़ि लेलक। दरभंगा एक बेर फेर बनाउल, बसाउल जा रहल अछि। पहिने स पैघ, सुंदर आ सुव्यवस्थित। सरकारक प्रयास स दरभंगाक नवका मास्टर प्लान तैयार भ चुकल अछि। नवका दरभंगा मे कईटा नव गप अछि। दरभंगा शहर क विकास करैत एहि में तीन दर्जन गांव कए शामिल करबाक योजना अछि। इ शहर क दक्षिण आ उत्तर मे अवस्थित गांव अछि। एहि मे दरभंगा क वर्तमान क्षेत्रफल 1918 हेक्टेयर स बढ़ कए 4220 हेक्टेयर भ जाइत। एहि से 260 हेक्टेयर नव आवासीय भूखंड तैयार होइत, जे शहर मे शामिल क्षेत्र स लेल गेल योजना अछि। दरभंगा मास्टर प्लान हुडको दिल्ली तैयार केलक अछि। हुडको मे मूल्यांकन अधिकारी कनिका बसु एकर विस्तार स जानकारी देबा लेल दरभंगा पहुंचल छलीह। ओ नगर निगम क सभागार मे दरभंगा शहर क विकास क लेल तैयार ड्राफ्ट मास्टर प्लान कए प्रस्तुत करैत कहलथि जे इ प्लान 2027 तक कए ध्यान मे राखि कए तैयार कैल गेल अछि। पावर प्रोजेक्टर क माध्यम स प्रस्तुत मास्टर प्लान क विस्तृत जानकारी दैत बसु कहलथि जे 2027 तक शहर क आबादी 5.4 लाख भ जाइत, जे 2001 क जनगणना क अनुसार एखन दो लाख 67 हजार 348 अछि। कूड़ा क उत्पादन प्रतिदिन 273 टन भ जाइत । एहिना शहर मे एखन 30 मेगावाट बिजली क जरूरत अछि, जेकर विरुद्ध मात्र 2 से 15 मेगावाट तक उपलब्ध भ रहल अछि, जखन कि बीस साल बाद दरभंगा कए 183 मेगावाट बिजली क जरूरत होइत। एहि सब तथ्य कए मास्टर प्लान मे ध्यान राखल गेल अछि। नगर विधायक, वर्तमान व पूर्व महापौर, उप महापौर, वार्ड पार्षद, जल निस्सरण व पीएचईडी क कार्यपालक अभियंता आदि क समक्ष प्लान कए प्रस्तुत करैत कनिका बसु शहर क वर्तमान यातायात व्यवस्था कए नाकाफी बतौलथि आ कहलथि जे अगिला बीस साल कए ध्यान मे राखि कए योजना क प्रस्ताव अछि। एहि मे नव सड़क क निर्माण, पुरान सड़क क क्षमता वृद्धि, बस टर्मिनल, ट्रक टर्मिनल, विकेंद्रित पार्किंग, बाई पास सड़क क निर्माण, फ्लाई व फुट ओवर ब्रिज क निर्माण, जल निकासी क लेल नव भूगर्भीय नाला क व्यवस्था, वर्तमान मे प्रतिव्यक्ति 35 लीटर पेयजल क व्यवस्था कए बढ़ा कए 135 लीटर प्रतिव्यक्ति करबाक करबा लेल भू-जल क उपयोग करब, दू-दू टा पालीटेक्निक आ अग्निशमन स्टेशन, आठ पुलिस स्टेशन, 14 पुलिस पोस्ट, दोनार औद्योगिक प्रांगण क क्षेत्रफल नौ हेक्टेयर मे 42 हेक्टेयर जोड़बाक, ठेला आदि क लेल अलग स्ट्रीट वेंडर्स जोन बनेबाक, शहर कए जोन मे बांटि कए सब मे छोट-छोट बाजार बनेबाक, थोक व पैघे बाजार क निर्माण, एकटा सुपर स्पेशल अस्पताल, 54टा हाई स्कूल, तीनटा पोखरि हराही-दिग्घी-गंगासागर कए जोड़बाक संग-संग किला, मंदिर, बाबा मखदूम क मजार आदि कए पर्यटन क दृष्टि स विकास करबाक योजना कए समेटल गेल अछि। हुडको दिल्ली क सहायक प्रमुख एस मुरलीधरन आ राज्य क वरिष्ठ मूल्यांकन पदाधिकारी सतीश सिन्हा क संग एहि ठाम ड्राफ्ट मास्टर प्लान प्रस्तुत करबा लेल आइल कनिका सभ स आग्रह कैलथि जे 120 दिन क भीतर आपत्ति आ सुझाव हुडको कए उपलब्ध कराउ, ताकि आवश्यक सुधार कए एकरा अंतिम रूप देल जा सकै।

15 साल बाद जेएमआईटी मे फेर शुरू भेल नामांकन

दरभंगा। लनामिवि स सम्बद्ध आ राज्य सरकार स मान्यता प्राप्त अभियंत्रण संस्थान जेएमआईटी मे शैक्षणिक सत्र 2008-12 मे नामांकन शुरू भ गेल । प्रथम दिन इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रानिक ट्रेड मे 47 नामाकन भेल, जखन कि 58 छात्र क चयन बिहार संयुक्त प्रवेश परीक्षा स उत्तीर्णता क आधार पर काउंसलिंग मे कैल गेल। संस्थान क विशेष पदाधिकारी श्याम कुमार झा कहला जे नामांकन स वंचित छात्र कए नियमानुकूल अभिलेख कए पूरा करबा लेल दू दिन क समय देल गेल अछि। मेकेनिकल ट्रेड मे चयनित 59 छात्र क नामांकन ल लेल गेल अछि, जखन कि कम्प्यूटर ट्रेड मे चयनित 33 छात्र क नामांकन 12 नवंबर कए लेल गेल। नामांकन क बाद रिक्त स्थान पर चयन क लेल राज्य सरकारक स्तर पर दोसर बेर काउंसलिंग कैल जाइत। जेकर तिथि फिलवक्त निर्धारित नहि भेल अछि, मुदा नामांकन क ब्योरा 14 नवंबर तक सरकार कए उपलब्ध कराउल जा चुकल अछि। मालूम हो कि जेएमआईटी क स्थापना निजी प्रबंधन मे 1980-81 मे भेल छल। वर्ष 1993-94 स संस्थान मे नामांकन पर रोक लगा देल गेल छल। संग ही सरकार संस्थान क अधिग्रहण कए लेने छल। चालू शैक्षणिक सत्र 2008-09 मे राज्य सरकार क पहल पर एहि संस्थान कए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद क मान्यता क संग-संग लनामिवि कए सम्बन्धन तीन ट्रेड मे भेटल। करीब 15 साल क बाद संस्थान परिसर मे चहल-पहल बढ़ि गेल अछि। विशेष पदाधिकारी क मुताबिक 30 नवंबर स वर्ग संचालन शुरू भ जाइत। एकर उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने करताह। एकर तैयारी भ रहल अछि।

शहर क विकास पर कम ध्यान देल गेल : नीतीश

पटना । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कहला अछि जे भारत गाम क देश अछि आ गाम क विकास क लेल जतेक योजना चलाउल गेल या जा रहल अछि ओकर अपेक्षा आइ तक तक शहर क विकास पर बहुत कम ध्यान देल गेल। खास कर इ बिहार मे बेसी देखबा मे अबैत अछि। ताहि लेल राज्य मे नगर विकास स संबंधित योजना क क्रियान्वयन क लेल एकटा डेडीकेटेड संगठन क तौर पर एकटा निगम क स्थापना कैल जा रहल अछि। मुख्यमंत्री नगर विकास योजना क शुभारंभ करैत इ गप कहलाह। एहि अवसर पर मुख्यमंत्री पटना जिला क विभिन्न नगर निकाय क कुल 266 योजना क शिलान्यास सेहो केलथि। मुख्यमंत्री कहला जे पहिने नगर निकाय कए जे आर्थिक सहायता देल जाइत छल, ओकर किछु हिस्सा स नगर विकास क योजना पूरा कैल जाइत छल, जे आबादी क दबाव आ मूलभूत सुविधा क आवश्यकता क अनुरूप पर्याप्त नहि होइत छल। एहि लेल राज्य योजना क तहत मुख्यमंत्री नगर विकास योजना चलाउल जा रहल अछि। एहि योजना क चयन आ क्रियान्वयन क दौरान एकर अनुश्रवण क कार्य मे स्थानीय विधायक शामिल छथि आओर एकरा लेल निधि राज्य सरकार द्वारा देल जा रहल अछि। विहित गुणवता आ समय सीमा मे योजना कए क्रियान्वयन सुनिश्चित करबा लेल राज्य सरकार शीघ्र एकटा डेडीकेटेड निगम क स्थापना करत। ओ नगर विकास विभाग क मंत्री आ प्रधान सचिव स इ अपेक्षा केलथि अछि जे एहि पंचांग वर्ष मे एहि निगम क स्थापना क औपचारिक प्रक्रियाएं पूरा करि लेल जाइत। मुख्यमंत्री एहि योजना क शुभारंभ पर संतोष व्यक्त करैत कहला जे जनवरी मे नगर क विकास क लेल राज्य योजना मद स एहि तरहक योजना क सूत्रण क विचार प्रारंभ भेल छल आ दस महीना मे एकरा मूर्तरूप दैत फिलहाल एहि योजना क अंतर्गत एक सौ करोड़ क राशि उपलब्ध कराउल गेल अछि। ओ कहला जे अबैय वाला समय मे एहि योजना क लेल पर्याप्त निधि सुलभ कराउल जाइत। मुख्यमंत्री पटना मे जलजमाव क समस्या क चर्चा करैत कहला जे पहिने सुनियोजित ढंग स पटना क विकास नहि भेल आओर आब जतेक तेजी स पटना क विस्तार भ रहल अछि आ जनसंख्या आ वाहन क दबाव बढ़ि रहल अछि, एहि समस्या क हल अत्यंत कठिन आ जोखिम भरल भ गेल अछि। ओ कहला जे गत वर्ष पटना मे जल निकासी क अपेक्षाकृत बेहतर व्यवस्था कैल गेल छल, जेकर लाभ विगत बरसात मे पटना क कईटा इलाक मे भेटल, मुदा राजेन्द्र नगर मे नव तरह क समस्या क कारण ओहि ठामक लोक कए किछु दिन जलजमाव क सामना करै पड़त। ओ कहला जे शहर क विकास क लेल संस्थागत प्रबंध कए सुदृढ़ करबा लेल इ योजना विशेष उपयोगी होइत। कुमार पर्यावरण संरक्षण क महता कए रेखांकित करैत कहला जे हुनकर हार्दिक इच्छा छैन जे पटना कए 'सिटी ऑफ चिल्ड्रेन' क नाम स चिनहल जाए। पटना क सब मुहल्ला मे मनोरम पार्क विकसित हुए, जाहि ठाम बच्चा कए खेलबा लेल आओर ओकर मनोरंजन क संग-संग बुजुग कए टहलबा लेल भरपूर सुविधा हुए। ओ नगर विकास विभाग द्वारा एहि संबंध मे कराउल गेल एकटा सर्वेक्षण क चर्चा करैत कहला जे हाउसिंग बोर्ड क कॉलोनी सरकारी आवास क कॉलोनी आ कई अन्य जगह पर पार्क विकसित करबा लेल 169 स्थल क चयन कैल गेल अछि। कुमार कहला जे जखन इ सबटा पार्क बनि जाइत त पटना क सूरत बदलि जाइत आ बच्चा क संगे-संग आम लोक मे सेहो पर्यावरण संरक्षण क प्रति जागरुकता बढ़त आ पर्यावरण क असंतुलन स होई वाला खतरा स बचबाक काशिश होइत। ओ कहला जे बिहार क विकास क दायित्व नव पीढ़ी पर अछि। एहि लेल बच्चा क स्वास्थ्य आ शिक्षा पर राज्य सरकार विशेष ध्यान द रहल अछि आ हरसंभव प्रयास कैल जा रहल अछि।

एहि अवसर पर उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी कहला जे हमरा एहिठाम आबादी क दस प्रतिशत मात्र शहरीकरण भेल अछि जखन कि कई अन्य प्रदेश मे इ 30 स 40 प्रतिशत तक भ चुकल अछि। ओ सुविधा क दृष्टि स गांम आ शहर क अंतर कए समाप्त करबाक प्रतिबंद्धता व्यक्त करैत कहला जे एहि योजना क लेल निधि क कमी नहि होयत। समारोह क अध्यक्षता करैत नगर विकास आ आवास मंत्री भोला सिंह विश्वास व्यक्त कैलथि जे बिहार क विकास आ संस्कृति क प्रसार मे आइ स प्रारंभ कैल गेल इ योजना क विशेष योगदान रहत। स्वास्थ्य मंत्री नंदकिशोर यादव कहला जे राज्य सरकार द्वारा प्रदेश क सर्वांगीण विकास क लेल सरकार क प्रयास मे मुख्यमंत्री नगर विकास योजना क विशेष योगदान रहत।

एहि अवसर पर विधायक अरूण कुमार सिन्हा, नीतीन नवीन, ज्ञानेन्द्र सिंह ज्ञानू, सरयुग पासवान, पूनम देवी आ आशा देवी, विधान पार्षद गंगा प्रसाद, नीरज कुमार आ प्रो.असलम आजाद सेहो अपन विचार व्यक्त करैत नगर क विकास क लेल एहि योजना क शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त केलथि आ एकरा लेल राज्य सरकार कए धन्यवाद देलथि।

अंक-17, साल-1, रजिस्ट्रेशन- आवेदित, स्नेह-छवि मिथिला स्कूल ऑफ आर्ट क लेल संपादक डाट वर्डप्रेस डाट काम स इंटरनेट संस्करण प्रकाशित. प्रधान समदिया : छवि झा, प्रबंध समदिया : सुषमा समदिया : कुमुद सिंह*, समाचार समदिया : प्रीतिलता मल्लिक, समदिया(दिल्ली) : गिन्नी सिंह ठाकुर, समदिया (नेपाल): ममता शंकर e_mail: esamaad@gmail.com (*खबरक चयनक लेल जिम्मेदार)